भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 11 अंक 03
मार्च 2019

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस – 2019

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने ''वन एवं शिक्षा'' विषय–वस्तु के साथ आमजन को संवेदनशील बनाने तथा मानव जीवन में वनों की महत्तता की ओर जागरूकता के प्रसार के लिए 19 मार्च 2019 को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस–2019 मनाया। इस अवसर पर श्री सी.के. मिश्रा, सचिव, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मुख्य अतिथि थे।

अनुक्रमणिका

	पृ. सं.
अंतरराष्ट्रीय वन दिवस – 2019	01
अनुसंधान निष्कर्ष	01
प्रशिक्षण कार्यक्रम	02
समझौता ज्ञापन	04
प्रकाशन	05
प्रकृति कार्यक्रम	05
प्रदर्शन कार्यक्रम	05
किसान मेला	05
पुरस्कार	06
परामर्शी	06
मानव संसाधन समाचार	06

अनुसंधान निष्कर्ष :

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- चित्तौडगढ़, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा तथा डुंगरपुर की पौधशालाओं से एकत्रित डिप्टेरा की एक प्रजाति की पहचान डायोपिसिडि कुल से संबंधित पायी गयी तथा जोधपुर से एकत्रित नीम एवं चन्दन नवांकुरों से कोलियोप्टेरन निष्पत्रक को मायलोसेरस प्रजातियों के रूप में चिह्नित किया गया।
- राज भवन, जयपुर से लेपीडोप्टेरा की पाँच प्रजातियां, हाइमेनोप्टेरा की तीन प्रजातियां, परभक्षी कोलियोप्टेरा की दो प्रजातियां तथा पक्षियों की पैंतीस प्रजातियां चिह्नित की गईं। इसके अतिरिक्त, नीम(*एजाडिरिक्टा इण्डिका*) के वृक्ष पर इण्डियन ग्रे हॉर्नबिल (*ऑसिसिरोस बिरोसट्रिस*) के घोसला बनाने की प्रक्रिया भी दर्ज की गई।
- पारितंत्र सेवाओं के प्रयोजन हेतु नवनिर्मित उच्च न्यायालय परिसर की चारदीवारियों के साथ–साथ सड़कों के किनारों पर, विविध आकारकीय एवं फलाद्गमिकी विशेषताओं के 19 वृक्ष प्रजातियों के लगभग 600 पौधे रोपित किए गए। विविध प्रवृत्ति के कारण, स्थल पर सबसे कम सफल प्रजातियां *जकरैंडा मिमोसिफोलिआ, प्लूमेरिआ एल्बा तथा क्यूरीबेक्टर लेन्सीओलाटस* पायी गयी, *जबकि सैण्टालम एल्बम* जीवित नहीं रह सकी। सर्वोत्तम प्रर्दशन करने वाली प्रजातियां *एडेनसोनिआ डिजीटाटा, एजाडिरिक्टा इण्डिका, बौहीनिआ परप्यूरिआ, कैसिआ फिस्टुला, डैलबर्जिया सिस्सू, मिलिंगटोनिआ हॉरटेनसिस, मिमूसोप्स इलेन्गी, पौन्गेमिया पिन्नाटा* तथा *स्पेथोडिआ कैम्पानुलाटा* हैं ।
- 20 नर एवं 20 मादा अरडु वृक्षों के लिए आकारकीय अध्ययन किए गए। मादा($0.070 \pm 0.021\ cm^2/g$) अरडु पर्ण नमूनों की तुलना में नर($0.072 \pm 0.024\ cm^2/g$) में विशिष्ट पर्ण क्षेत्रफल उच्च था। इसी प्रकार मादा ($79.27 \pm 0.021 cm^2/g$) वृक्षों की तुलना नर (108.95 ± 47.72 cm) में स्पष्ट प्रस्तम्भ ऊंचाई अधिक थी ।

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- *रुबस इल्लीप्टीकस* फलों की फेरिक आयन अपचायक एण्टी ऑक्सीडेण्ट पावर एफ्रे (एफ.आर.ए.पी.) तथा हाइड्रोजन पेरो–ऑक्साइड अपमार्जक(एच.पी.एस.) गतिविधि निर्धारित की गई ।

- *मिमोसा हिमालयाना* एवं *प्रोसोपिस ज्यूलिफ्लोरा* से व्युत्पन्न विभिन्न तन्तुओं पर प्राकृतिक रंजकों का प्रयोग का प्रयोग कर रंजन परीक्षण किए गए ।
- उत्तराखण्ड के वनों में पायी जाने वाली *बेटुला युटिलिस* की तीन आबादियों के छाल में बायोएक्टिव चिह्नक यौगिक 'बेटुलिन' की मात्रा का निर्धारण हाई परफॉरमेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी (एच.पी. एल.सी.) द्वारा किया गया ।
- कैथल, फतेहाबाद, मुक्तसर तथा पंजाब जिले से एकत्रित मृदा नमूनों से पृथक 250 बैक्टीरियल पृथकों से, 150 पृथकों की जाँच फॉसफोरस घुलनशीलता के लिए की गई। हालांकि, किसी भी पृथक ने पिकोवसक्या माध्यम में फॉसफेट का विलेयीकरण नहीं किया ।
- महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों यथा *मेलिना आर्बोरिया, शोरिया रोबस्टा, ग्रीविया रोबस्टा* तथा *ऐकेशिया औरिक्यूलीफोर्मिस* के विभिन्न भागों में कार्बन पृथक्करण, बायोमास तथा पोषक–तत्व संचयन पर उत्थित CO_2 सांद्रण के प्रभाव का निर्धारण किया गया। *ग्रीविया रोबस्टा* तथा *मेलिना आर्बोरिया* ने उत्थित CO_2 सांद्रण के अंतर्गत कार्बन पृथक्करण तथा बायोमास संचयन के लिए उच्च प्रतिक्रिया प्रदर्शित की।
- परियोजना "भारत के टेटीगोनाइडी(आर्थोपटेरा) का वर्गिकी अध्ययन (ए.आई.सी.ओ.पी.टी.ए.एक्स., प.व.ज.प.मं.) के अंतर्गत एकत्रित टेटीगोनाइडों की पहचान जारी है।
- एकत्रित नमूनों से 20 अंड परजीव्याभों को विभेदित किया गया तथा 5 प्रजातियों : *पैरासेन्ट्रोबिआ लॉंगिपेन्नेस, स्यूडोलिगोसिटा नेफोटेट्टीकम, ओलिगोसिटा मीरूटेन्सिस* तथा *ओलिगोसिटा नोविसैनगिनी* से संबंधित प्रतिदर्शों की पहचान की गई। उत्तराखण्ड में जिलों : हरिद्वार तथा देहरादून से कीट अंडों के 10 नमूने में विभिन्न वानिकी वृक्षों : *टैक्टोना ग्रैण्डिस, मैल्लोटस फिलिप्पेनसिस, कैसिया फिस्टुला, होलोप्टेलिआ इण्टेग्रिफोलिआ* से एकत्रित किए गए। परियोजना "उत्तर भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड) से हाइमेनोप्ट्रन अंड परजीव्याभों की विविधता तथा वर्गिकी पर अध्ययन" के अंतर्गत स्लाइड निर्माण तथा छायाचित्रण प्रगति में है ।
- हरिद्वार जिले में झीलमिल झील के 5B/C2 उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वनों में ट्रान्जेक्टों पर नमूने लिए गए। परियोजना "उत्तराखण्ड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से संबद्ध तितलियां" के अंतर्गत विभिन्न वन प्रकारों के अंतर्गत तितिलियों की प्रजातियों पर आंकड़ा संचय को अद्यतन, नमूना एकत्रण तथा परिरक्षित किया गया।
- क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान बन ओक वृक्षों से लेपीडोप्टेरा की 2 प्रजातियों के लार्वा को एकत्रित कर, जीवन इतिहास अध्ययनों के लिए प्रयोगशाला में पाला गया जबकि 20 शीत–निष्क्रियता के अंतर्गत प्यूपा चरणों में रखे गए हैं । परियोजना "पश्चिम हिमालयी ओक के नाशी–कीट तथा उनका नियंत्रण" के अंतर्गत सिरामबिसिड तना छेदक, *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलिगिनोसस* के पालन पिंजरों में उद्भव के साथ, इसका अध्ययन प्रयोगशाला में रखे कुन्दों में किया जा रहा है ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	बाँस मूल्य वर्धन – बाँस प्रौद्योगिकियां	04–08 मार्च 2019	-
2.	उत्पादकता वृद्धि हेतु रोपण प्रौद्योगिकी में उन्नति	14 मार्च 2019	क्षेत्रीय प्रबंधक, रेंज अधिकारी एवं वन रक्षक

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
3.	वनाग्नि आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन	4 से 8 मार्च 2019	नेपाल सेना के 2 अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के 25 अधिकारी
4.	कृषि वानिकी में उन्नति	7 से 9 मार्च 2019	कृषक, अग्र पंक्ति कार्मिक तथा अन्य हितधारक
5.	वन कीट विज्ञान एवं नाशीकीट नियंत्रण	14 फरवरी – 20 मार्च 2019	-
6.	टाइकोडर्मा	28 मार्च 2019	-
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
7.	बाँस प्रजातियों का सूक्ष्म प्रर्वधन	5–8 मार्च 2019	-
8.	''मूल्य वर्धन – बाँस प्रौद्योगिकियां''	11 – 15 मार्च 2019	25 हस्तशिल्पकार (कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना)
9.	राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड के अंतर्गत उचित प्रयोगशाला पद्धतियों पर प्रशिक्षण	26 मार्च 2019	वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्मिक
10.	वन उपयोजन	26 – 28 मार्च 2019	तमिलनाडु वन अकादमी से 29 क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रशिक्षु
11.	वानिकी एवं काष्ठ विज्ञान	27 मार्च 2019	39 कृषक, गैर सरकारी संगठन तथा उद्यमी
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
12.	हरित कौशल विकास योजना के अंतर्गत लघु वानस्पतिक उद्यान	7 फरवरी से 8 मार्च 2019	बेरोजगार युवक एवं छात्र
13.	हरित कौशल विकास योजना के अंतर्गत बाँस का प्रवर्धन एवं प्रशिक्षण	18 फरवरी से 15 मार्च 2019	बेरोजगार युवक एवं छात्र
14.	पर्यावरणीय जागरूकता एवं जैवविविधता संरक्षण	18 – 19 मार्च 2019	भारत भारती विद्यालय, छिंदवाड़ा, विद्यालय के छात्र

हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत लघु वानस्पतिक उद्यान पर प्रशिक्षण

हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बाँस के प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण

	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
15.	मूल्य वर्धन – बाँस प्रौद्योगिकियां, "सामुदायिक उद्यम के प्रसार हेतु बाँस हस्तशिल्प पर कौशल विकास"	1–4 मार्च 2019	समुदाय के 25 व्यक्ति
16.	पौधशाला प्रबंधन, अगरकाष्ठ उत्पादन के लिए कृषि एवं संरोपण	15 मार्च 2019	राज्य वन विभाग, त्रिपुरा के 35 कृषक एवं वन रक्षक
17.	बाँस हस्तशिल्प	11 फरवरी से 23 मार्च 2019	उत्तर–पूर्व राज्यों से 25 युवक एवं हस्तशिल्पी
18.	बाँस का प्रर्वधन एवं प्रबंधन	25 फरवरी से 23 मार्च 2019	उत्तर–पूर्व राज्यों से 25 युवक एवं हस्तशिल्पी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
19.	वानिकी में नवीन प्रौद्योगिकी	6–8 मार्च 2019	राज्य वन विभाग के 41 कृषक एवं क्षेत्र पदधारी
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
20.	वन पौधशालाओं में माइकोराइजी का अनुप्रयोग तथा नाशी–कीटों व व्याधियों का प्रबंधन	8 मार्च 2019	वन प्रशिक्षण संस्थान, चैल, जिला – सोलन के 24 प्रशिक्षु
21.	औषधीय एवं सगंध पादपों की कृषि पद्धतियां	12 मार्च 2019	जम्मू क्षेत्र के 50 कृषक
22.	वन वृक्ष प्रजातियों पर नाशी–कीट एवं व्याधियां तथा उनका प्रबंधन	18 मार्च 2019	वन प्रशिक्षण संस्थान, चैल, जिला – सोलन के 25 प्रशिक्षु

औषधीय एवं सगंध पादपों की कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण

वन वृक्ष प्रजातियों पर नाशी–कीट एवं व्याधियां तथा उनके प्रबंधन पर प्रशिक्षण

	वन उत्पादकता संस्थान, राँची		
23.	पोपलर आधारित प्रणाली के विशेष संदर्भ में कृषिवानिकी के सिद्धांत, पद्धतियां एवं महत्व	5 मार्च 2019	70 कृषक
24.	बाँस प्रवर्धन एवं प्रबंधन	12 फरवरी से 29 मार्च 2019	45 छात्र एवं कृषक
	वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद		
25.	औशधीय पादपों की कृषि तथा *टेरोकार्पस सैण्टालिनस, सैण्टालम एल्बम* एवं *मीलिया डुबिया* पर तकनीकियां	6 मार्च 2019	-

समझौता ज्ञापन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला तथा महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बदत्रदी सोलन के मध्य दिनांक 8 मार्च 2019 को एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया, जिसके अनुसार दोनों पक्ष चिह्नित क्षेत्रों में आपसी सहयोग से वैज्ञानिकी, शिक्षा एवं विस्तार गतिविधियों का संचालन करने के लिए सहमत हुए।

प्रकाशन

- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा माह के दौरान निम्नांकित दो पुस्तकों का प्रकाशन किया गया :
  - वनीत जिस्टू तथा वी.पी.तिवारी, 2019। रोडोडेण्ड्रान ऑफ हिमाचल प्रदेश। हि.व.अ.सं.,शिमला,42 पृष्ठ।
  - वी.पी.तिवारी,2019। *बेटुला यूटिलिस* डी.डॉन : ए ट्री ऑफ हिमालयन ट्री लाइन। हि.व.अ.सं.,शिमला,36 पृष्ठ।
- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा पाँच पैम्फलेट भी प्रकाशित किए गए :
  - एक्टोमाइकोराइजल कवक का महत्व एवं चिलगोजा वनों में इनकी विविधता
  - मेहरू ओक (*Quercus floribunda* Lindl. Ex. A. Campus)
  - कुटकी की खेती (*Pirorhiza kurroa*)
  - मुश्कबाला की खेती (*Valeriana jatamansi*)
  - वनककड़ी की खेती (*Podophullum hexandrum*)
- व.अ.के. – कौ.वि., छिंदवाड़ा ने आदिवासियों में अनुसंधान आधारित सूचना के प्रसार के लिए हिन्दी एवं मराठी में निम्नांकित 4 ब्रॉशर प्रकाशित किए :
  - बिरबहुती – बहुपयोगी किट (हिन्दी में)
  - मशरूम एवं पोषकतत्व (हिन्दी में)
  - मधमासी – लाभदायक किट (मराठी में)
  - जवुरवर्क – केचुआ खाद (हिन्दी में)

प्रकृति कार्यक्रम

- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 8 मार्च 2019 को प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय सं. 3, गाँधी नगर कैण्ट, गाँधीनगर, गुजरात में कार्यक्रम आयोजित किया। कक्षा IV,V,VI के 45 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- व.उ.सं., राँची ने 1 मार्च 2019 को ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत नवोदय विद्यालय, लातेहार के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

शु.व.अ.सं., जोधपुर ने प्रकृति के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय, गुजरात में कार्यक्रम आयोजित किया

प्रदर्शन कार्यक्रम :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
1.	बाँस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला	20 मार्च 2019	देओराजा जनता उच्च माध्यमिक विद्यालय, शिवसागर के 52 छात्र
2.	प्रबंधन, मूल्य वर्धन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, लाख कृषि, वानस्पतिक बाग, ऑर्चिडेरियम, कृमि खाद इत्यादि	26 से 29 मार्च 2019	असम सरकार के ज्ञानजात्र कार्यक्रम के अंतर्गत जोरहाट जिले के 24 विभिन्न विद्यालयों से 1100 छात्र

किसान मेला :

संस्थान	प्रतिभाग / आयोजन	समयावधि	स्थान
व.अ.के.–कौ.वि., अगरतला	किसान मेला	1 मार्च 2019	बरकथल, पश्चिमी त्रिपुरा जिला

व.अ.के.–कौ.वि., ने किसान मेले में प्रतिभाग किया

पुरस्कार

- डॉ. शक्ति सिंह चौहान तथा डॉ. पंकज कुमार अग्रवाल, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू को 19 मार्च 2019 को भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में आयोजित वानिकी में उत्कृष्टता हेतु भा.वा.अ.शि.प. पुरस्कार – 2018 कार्यक्रम में ''भा.वा.अ.शि.प. प्रौद्योगिकी नवोन्मेष पुरस्कार'' श्रेणी के अंतर्गत अलंकृत किया गया।
- डॉ. गिरीश चन्द्रा, वैज्ञानिक – 'सी', वानिकी सांख्यिकी, भा.वा.अ.शि.प. को 19 मार्च 2019 को भा.वा.अ.शि.प. उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार से अलंकृत किया गया।
- डॉ. मधुमिता दासगुप्ता, वैज्ञानिक – 'एफ' व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर को 19 मार्च 2019 को भा.वा.अ.शि.प. महिला पेशेवर पुरस्कार से अलंकृत किया गया।
- डॉ. विनीत कुमार, वैज्ञानिक – 'जी', व.अ.सं., देहरादून को 19 मार्च 2019 को ''भा.वा.अ.शि.प. सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार'' से अलंकृत किया गया।
- डॉ.(सुश्री) के.एन. बरूआ, व.व.अ.सं. की सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस, 2019 पर '' भा.वा.अ.शि.प. उत्कृष्ट कार्मिक पुरस्कार – 2018'' से अलंकृत किया गया।
- डॉ. राजेश मिश्रा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी तथा श्री नवल कुमार गुप्ता, सहायक, उ.व.अ.सं., जबलपुर को उत्कृष्ट कार्मिक पुरस्कार से अलंकृत किया गया।
- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने 12 से 14 मार्च 2019 तक मैसर्स प्रयास एक्जीबिशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'महिला सशक्तिकरण – 2019' मेगा इवेण्ट में प्रतिभाग किया। मेगा इवेन्ट में हि.व.अ.सं.,शिमला के स्टॉल को वानिकी क्षेत्र में अनुसंधान के कार्यक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल के रूप में घोषित किया गया।

डॉ. गिरीश चन्द्रा, वैज्ञानिक – 'सी', वानिकी सांख्यिकी, भा.वा.अ.शि.प. को भा.वा.अ.शि.प. उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार से अलंकृत किया गया

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; उत्तराखण्ड जल विद्युत निमग लिमिटेड; प.व.ज. प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा तथा एन.एम.डी.सी. लि., हैदराबाद द्वारा प्रदत्त 9 परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून वर्तमान में कार्य कर रहा है।

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति अधिकारी का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री नरेन्द्र कुमार, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	31.03.2019

संरक्षक:
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक

संपादक मंडल:
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान

केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।